जागता के स्वामी, हे अंतर्यामी मैं तुझसे क्या मंगुआस का बंधन तोड़ चुकी हूँ Bhajans Bhakti Songs

जागता के स्वामी, हे अंतर्यामी
मैं तुझसे क्या मंगुआस का बंधन तोड़ चुकी हूँ
तुझ पर सबकुच्छ छ्चोड़ चुकी हूँ
नाथ मेरे मैं क्यो कुच्छ सोचु
तू जाने तेरा कम तेरे चरण की धूल जो पाए
वो कंकर हीरा हो जाए
भाग मेरे जो मैने पाया
इन चरणों में धामभेद तेरा कोई क्या पहचाने
जो तुझ सा हो, वो तुझे जाने
तेरे किए को हम क्या देवे
भले बुरे का नाम
जागता के स्वामी, हे अंतर्यामी हे रोम रोम में बसने वेल राम
जागता के स्वामी, हे अंतर्यामी
मैं तुझसे क्या मंगु

Source: https://www.bharattemples.com/jagat-ke-svaamee-he-antaryaamee-main/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw